संभव है नेचुरल ब्रैस्ट ऑग्मेंटेशन

ब्रैस्ट ऑग्मेंटेशन पूरे विश्वभर में कॉस्मेटिक सर्जरी का सबसे प्रचलित रूप है। आश्चर्यजनक रूप से इसने दूसरी कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं जैसे 'नोज जॉब' आदि को काफी पीछे छोड़ दिया है लेकिन हर कोई सर्जरी को लेकर या शरीर में किसी बाहरी पदार्थ को लेकर सहज नहीं है और इसी ने नेचुरल ब्रैस्ट ऑग्मेंटेशन तकनीक के महत्व को बढ़ाया है। नई दिल्ली स्थित बीएलके सेंटर फार प्लास्टिक एंड कॉस्मेटिक सर्जरी के डा. लोकेश कुमार कहते हैं कि जब किसी महिला के शरीर से ही वसा लेकर उसका उपयोग उसके स्तनों का आकार बढ़ाने के लिए किया जाता है तो उस प्रक्रिया को नेचुरल ब्रैस्ट ऑग्मेंटेशन कहते हैं।

इस प्रक्रिया में कांट-छांट कम की जाती है, यह सुरक्षित है और इसमें समय भी कम लगता है। इस तकनीक में शरीर को कम तकलीफ सहनी पड़ती है और इसमें हीलिंग प्रोसेस भी तेज होती है। इस सर्जरी के कुछ अतिरिक्त लाभ भी हैं। लाइपोसक्शन के द्वारा पेट, कमर, जांघों, कमर या नितंबों आदि से अतिरिक्त वसा निकाली जाती है। स्तनों का आकार बढ़ाने वाली इस नवीनतम तकनीक को ब्युली नाम दिया गया, जिसे कुछ वर्ष पहले जर्मनी में खोजा गया था।

इस प्रक्रिया में अत्यधिक तेज गति वाली वॉटर जेट स्ट्रीम का इस्तेमाल रोगी के शरीर से वसा कोशिकाओं को अलग करने के लिए किया जाता है। पतली धातु नली की सहायता से वसा उन स्थानों से निकाली जाती है, जहां डाइट और एक्सरसाइज का प्रभाव नहीं पड़ता है।

एक बार जब वसा ढीली पड़ जाती है, इसे किसी डिब्बे में इकट्ठा किया जाता है और शरीर के किसी भी भाग का आकार बढ़ाने में इस्तेमाल किया जाता है। जैसे ब्रैस्ट ऑग्मेंटेशन, इन वसीय ऊतकों को स्तनों के नीचे या आसपास इंजेक्ट किया जाता है। इन दिनों केवल मॉडल्स या प्रसिद्ध महिलाएं ही इस विकल्प को नहीं चुन रही हैं, बल्कि सामान्य महिलाएं और लड़कियां भी जिनके स्तनों का आकार छोटा है इसमें रुचि दिखा रही हैं।

इस कतनीक के कई लाभ है। जहां तक स्तनपान और स्तनों के दूसरे कार्यों की बात है, यह सुरक्षित है। इसमें किसी बाहरी पदार्थ जैसे इम्प्लांट आदि की आवश्यकता नहीं होती है। इसमें आपरेशन के पश्चात कोई दाग या निशान नहीं पड़ता है, क्योंकि यह प्रक्रिया की-होल के द्वारा की जाती है। इसमें स्तन स्वाभाविक दिखाई देते हैं। इस प्रक्रिया में कांट-छांट कम होती है। तथा रिकवर होने में कम समय लगता है।

डा. लोकेश कुमार कहते हैं कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, महिलाओं के स्तनों का आकार कम होने लगता है, विशेषरूप से बच्चे के जन्म के बाद, इसलिए बड़ी उम्र की महिलाओं के अलावा ये महिलाएं ब्रैस्ट ऑग्मेंटेशन का विकल्प चुन सकती है: जो बड़े और भरे हुए स्तन चाहती हैं, जो इम्प्लांट के द्वारा अपने स्तनों का आकार नहीं बढ़ाना चाहती हैं, जिनके दोनों स्तनों का आकार समान नहीं है, जो ब्रेस्ट कैंसर के उपचार के पश्चात ब्रैस्ट रिकंस्ट्रक्शन कराना चाहती हैं।